



Literacy for a Billion

Movie: Prem Rog

Year: 1982

Song: Yeh Pyar Tha Ya Kuchh Aur

Lyricist: Shantosh Anand

निकलके उनके दिलसे हम
सरे महफिल में आ बैठे
हमारी मुश्किल ये हैं
कि बड़ी मुश्किल में आ बैठे
जो मिलते रहते हैं
वो दिल में समाँ जाते हैं
जो मिलके नहीं मिलते
वो याद बहोत याद आते हैं

ये प्यार था
ये प्यार था या कुछ और था
ये प्यार था
ये प्यार था या कुछ और था
न तुझे पता न मुझे पता
ये प्यार था
ये प्यार था या कुछ और था
न तुझे पता न मुझे पता
ये निगाहों का ही कुसूर था
ये निगाहों का ही कुसूर था
न तेरी ख़ता न मेरी ख़ता
ये प्यार था या कुछ और था

ये प्यार था
तेरे सुख कि सेज़ सजी रहें
तेरे सुख कि सेज़ सजी रहें
मेरी उम्र भी तुझे जा लगे
मैं दुआएँ देने में देने में
मैं दुआएँ देने में चूर था
न तुझे पता न मुझे पता
ये प्यार था या कुछ और था
ये प्यार था या कुछ और था
न तुझे पता न मुझे पता
ये निगाहों का ही कुसूर था
ये निगाहों का ही कुसूर था
न तेरी ख़ता न मेरी ख़ता
ये प्यार था या कुछ और था

सारी खुशियाँ तुझपे वार के
सारी खुशियाँ तुझपे वार के
चला मैं तो सब कुछ हार के
ये इश्क़ का दस्तुर था
न तुझे पता न मुझे पता
ये प्यार था या कुछ और था

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.